

श्री अखिल भारतीय सुधर्म जैन संस्कृति रक्षक संघ छ. ग. शाखा द्वारा  
आयोजित महावीर जयंती के उपलक्ष में प्रश्न पत्र सन् २०२५

दिनांक - १०.०४.२०२५

समय १ घण्टा

कुल अंक १००

प्रश्न - १ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अंक १०

- i. पार्श्वनाथ जी के कितने गणधर हुए ?  
(१) ७ (२) ८ (३) ९ (४) १० ८
- ii. पौषध के कितने दोष हैं ?  
(१) ७ (२) १२ (३) १८ (४) २४ १८
- iii. ग्यारह गणधरों ने कितने शिष्यों के साथ दीक्षा ली ?  
(१) ४०११ (२) ४४११ (३) ४४०० (४) ४४०४ ४४००
- iv. श्री मंडित जी की आयु ?  
(१) ८० (२) ८३ (३) ७८ (४) ७४ ८३
- v. आचार्य घासी दास जी ने पंद्रह दिन में क्या याद किया था ?  
(१) सामायिक (२) लोगस्स (३) नवकार (४) प्रतिक्रमण नवकार
- vi. दीक्षा के बाद भगवान महावीर ने कितने चातुर्मास किए ?  
(१) ३० (२) १२ (३) ३२ (४) इनमें से कोई नहीं इनमें से कोई नहीं
- vii. दूसरा चौमासी पर्व कब आता है ?  
(१) फाल्गुनी पूर्णिमा (२) आषाढी पूर्णिमा (३) कार्तिक पूर्णिमा (४) आषाढी अमावस्या कार्तिक पूर्णिमा
- viii. पौषध में रहते हुए लगने वाले दोष कितने हैं ?  
(१) ६ (२) ८ (३) १२ (४) १८ १२
- ix. भगवान ऋषभदेव को वृक्ष के नीचे क्या प्राप्त हुआ ?  
(१) निर्वाण (२) जन्म (३) केवलज्ञान (४) दीक्षा जन्म
- x. शकेंद्र महाराज को किसकी सूचना मिलती है ?  
(१) केवलज्ञान (२) निर्वाण (३) जन्म (४) दीक्षा जन्म

प्रश्न - २ एक शब्द में उत्तर दीजिए

अंक १०

- i. तीर्थंकरों की देशना को सुनकर द्वादशांगी की रचना कौन करते हैं गणधर
- ii. श्रावक का दूसरा मनोरथ क्या है - संयम लेना
- iii. गणधर क्या नहीं करते - निदान
- iv. राजगृह क्या है - निर्वाण भुमि
- v. धन्ना अनगार को किसका अवार्ड मिला - तपस्या
- vi. गणधर क्या होते हैं - चरम शरीरी / ऋजुप्राज्ञ
- vii. मिथिला में जन्मे गणधर का नाम क्या है - श्री अकंपित जी
- viii. विष को गरल किसमें कहा है - आगम में

- ix. भगवान की दूसरी देशना में गणधरों ने क्या प्राप्त किया -  
x. कर्मण शरीर किसका काम करता है -

गणधर की पदवी  
कैमरे का

**प्रश्न - ३ सही / गलत लिखो**

अंक १०

- |   |     |
|---|-----|
| i. महावप्रविजय भरत क्षेत्र में है।                          | गलत |
| ii. तीर्थकर सूत्र रूप में कहते हैं।                         | गलत |
| iii. गणधरों के आगे पीछे तीर्थकर मोक्ष जा सकते हैं।          | सही |
| iv. सभी गणधर वैश्य कुल के थे।                               | गलत |
| v. द्वादशांगी की रचना तीर्थकर करते हैं।                     | गलत |
| vi. भगवान महावीर के गणधरों की अवगाहना ७ धनुष की थी।         | गलत |
| vii. उपलब्ध आगम सुधर्मा स्वामी की देशना है।                 | गलत |
| viii. अगली चौबीसी के २२ तीर्थकर नरक व २ देवलोक में हैं।     | गलत |
| ix. व्रत ना लिए हुए व्यक्ति से वैयावृत्य कराना दोष नहीं है। | गलत |
| x. ११ अंगों की रचना गणधर करते हैं।                          | गलत |

**प्रश्न - ४ संक्षिप्त उत्तर दीजिए ।।**

अंक १०

- |   |  |
|---|--|
| i. गुणस्थान क्या है ?                             | आत्मा का थर्मामीटर                         |
| ii. पौषध के प्रथम ६ दोष कब लगते हैं ?             | पौषध के पूर्व दिन                          |
| iii. भगवान के पाट पर कौन विराजते हैं ?            | दीर्घजीवी गणधर                             |
| iv. तीन सगे भाई क्या थे ?                         | प्रथम तीन गणधर                             |
| v. पांचवे आरे का अंतिम दिन क्या है ?              | वर्तमान शासन का अंतिम दिन                  |
| vi. १४५२ गणधर कब हुए ?                            | इस चौबीसी में                              |
| vii. अजीतनाथ जी चौथे आरे के क्या थे ?             | प्रथम तीर्थकर                              |
| viii. देव के पुत्र का नाम एवं उनकी आयु कितनी थी ? | श्री अंकपित जी , 78 वर्ष                   |
| ix. भगवान के बाद मोक्ष पधारने वाले गणधर ?         | श्री इंद्रभूति जी , श्री सुधर्मा स्वामी जी |
| x. नयसार के भव में भगवान ने क्या किया था ?        | सत्कर्म का बीज बोया                        |

**प्रश्न - ५ अंकों में उत्तर दीजिए**

अंक १०

- |   |    |
|---|----|
| i. आयुष्य कौन सा अघाती कर्म है -                  | २  |
| ii. ६ से ११ वे गणधर की कुल वाचना -                | ४  |
| iii. श्री मंडित जी कौन से गणधर हुए -              | ६  |
| iv. कर्म कितने हैं -                              | ८  |
| v. भगवान ने कितने वर्ष की आयु में वर्षीदान दिया - | २९ |
| vi. कितने अंग सूत्र की रचना गणधर करते हैं -       | १२ |
| vii. अचलभ्राता जी की आयु -                        | ७२ |
| viii. भगवान ऋषभदेव जी के कितने गणधर थे -          | 84 |

- ix. भगवान की उपस्थिति में कितने गणधर मोक्ष पधारे - ९
- x. मेतार्य जी के कितने शिष्य थे - ३००

**प्रश्न - ६ खाली स्थान भरे**

अंक १०

- i. भगवान को महावप्र विजय में समकित प्राप्त हुआ।
- ii. पौषध के अट्ठारह दोष ग्रंथो में मिलते हैं।
- iii. पाँच तीर्थकरों के कुल ३१९ गणधर हुए।
- iv. भगवान का अंतिम भव नयसार की जिनत्व यात्रा का अंतिम पड़ाव था।
- v. अंतराय घाती कर्म है।
- vi. केला बिना लकड़ी का पेड़ है।
- vii. ११ गणधरों को १४ पूर्वो का ज्ञान होता है।
- viii. गुणों के समूह को धारण करने वाले को गणधर कहते हैं।
- ix. एक वर्ष में तीन बार चौमासी पर्व आते हैं।
- x. सभी गणधरों का जन्म उच्च गोत्र में होता है।

**प्रश्न - ७ सही जोड़ी बनाइए**

अंक १०

i.	त्रिपदी	भददीला	उत्पाद, ध्रुव, व्यय
ii.	गणधर	विजया	राजगृह (निर्वाण)
iii.	इंद्रभूति जी	विजया	९२
iv.	व्यक्त स्वामी जी	वसुभूति	कोल्लाग
v.	सुधर्मा स्वामी जी	राजगृह (निर्वाण)	भददीला
vi.	मौर्य जी	उत्पाद, ध्रुव, व्यय	विजया
vii.	मंडित जी	९२	धन देव
viii.	वायुभूति जी	कोल्लाग	वसुभूति
ix.	दत्त	धन देव	मेतार्य
x.	धन देव	मेतार्य	विजया

**प्रश्न - ८ सही क्रम में लिखिए**

अंक १०

i.	र	धि	अ	का				अधिकार
ii.	खु	ना	ला	ज				खुजलाना
iii.	दा	आ	स	चा	घा	र्य	सी	आचार्य घासीदास
iv.	ध	सं	न	बो				संबोधन
v.	व	णा	व	रू	दे			वरुणादेव
vi.	द	गी	वा	द्	शां			द्वादशांगी
vii.	स	म	र	चौ	स			समचौरस
viii.	ल	ना	वा	धु				धुलवाना

ix. ग वा स यां म  
x. य प्र व हा वि म ज

समवायांग  
महावप्रविजय

प्रश्न - ९ पौषध के अठारह दोषों में से ३, ६, ९, १२ एवं १८ वा दोष लिखिए अंक १०

३. पौषध के लिए नख, केश आदि का संस्कार करना
६. पौषध के निमित्त आभूषण पहनना
९. बिना पुंजे शरीर खुजलाना
१२. निंदा, विकथा और हँसी मज़ाक करना
१८. काका, मामा आदि सांसारिक संबंध के नाम से संबोधन करना

प्रश्न - १० वर्ग पहेली

अंक १०

१२	-	७४	=	१८	+	३०
						=
२	x	७	=	१४		
=				-		
१४				३	२	
»				११	=	
२८						
=	७२	-	१००	=	२	x

1. इंद्रभूति जी की आयु
2. अग्निभूति जी की आयु
3. भगवान ने केवलज्ञान के बाद कितने चातुर्मास किये
4. अगली चौबीसी के कितने तीर्थंकर नरक में हैं
5. ८ , ९ , १० , ११ वें गणधरों की वाचना
6. अचलभ्राता जी की आयु
7. व्यक्तस्वामी जी का अध्ययन
8. गणधरों की अवगाहना
9. एक वर्ष में चौमासी पर्व
10. भगवान के कितने गणधर